[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4922 **A**

Unique Paper Code : 62051203 _OC

Name of the Paper : Hindi B

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (10)

(क) कस्तूरी कुंडलि बसे, मृग ढूँढें बन माहि।

ऐसे घट-घट राम हैं, दुनिया देखे नाहिं।।

अथवा

छुअत सिला भइ नारि सुहाई। पाहन तें न काठ कठिनाई।।

तरनिउ मुनि घरिनी होइ जाई। बाट परइ मोरि नाव उड़ाई।।

एहिं प्रतिपालउँ सबु परिवारू ।

नहिं जानउँ कछु अउर कबारू।।

जौं प्रभु पार अवसि गा चहहू।

मोहि पद पदुम पखारन कहहू।।

(ख) सटपटाति सैं ससिमुखी मुख घूंघट-पटु ढांकि । (10)

पावक-झर सी झमकि कै गई झरोखा झांकि ।।

अथवा

इंद्र जिमि जंभ पर बाडव सुअंभ पर रावन सदंभ पर रघुकुलराज है।

पौन वारिवाह पर संभु रतिनाह पर ज्यौं सहस्त्रबाहु पर राम द्विजराज है।

दावा द्रुमदंड पर चीता मृगझुंड पर भूषन बितुंड पर जैसे मृगराज है।

तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर यौं मलेच्छ बंस पर सेर सिवराज है।।

(ग) मेरा मंदिर, मेरी मसजिद काबा-काशी यह मेरी। (10)

पूजा-पाठ, ध्यान जप-तप है घट-घट वासी यह मेरी ।।

अथवा

काट अंध-उर के बंधन-स्तर

बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर

कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर

जगमग जग कर दे।

2. कबीर अथवा तुलसीदास का साहित्यिक परिचय दीजिए। (10)

3. बिहारी के दोहों का सार लिखिए। (10)

अथवा

भूषण की कविता के केंद्रीय भाव पर प्रकाश डालिए।

4. 'बालिका का परिचय' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। (10)

4922

अथवा

निराला की कविता का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए: (5)

1. हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

2. किन्हीं दो आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय

(ख) किन्ही दो भान भारतीय निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

1. भक्तिकाल संतकाला

2. रीतिकाल

3. छायावाद

4. प्रगतिवाद